लागत में वृद्धि के कारण हुई है, सामान्यतः उतनी ही रही है जितनी कि थोक कीमत का सामान्य सूचकांक है ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) वस्त्र मिलों द्वारा केवल फाइन तथा सुपरफाइन कपड़े के उत्पादन पर अर्जित लाभ का हिसाब लगाना संभव नहीं है ।

(घ) और (ङ). नियंत्रित कपड़े के उत्पादन के लिए भारतीय सूती मिल फेडरेशन द्वारा चलाई जा रही स्वैच्छिक योजना के अन्तर्गत, 1 जनवरी, 1973 से संशोधित रूप में, प्रत्येक सूती वस्त्र मिल से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने उत्पादन का 12 प्रतिशत नियंत्रित कपड़े का उत्पादन करेगा जिसमें मोटा कपड़ा भी शामिल हैं । किसी मिल द्वारा निर्धारित कपड़े का उत्पादन न किये जाने पर 1 रुपया प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से दण्ड लगेगा ।

निजी और सरकारी क्षेत्र की कपड़ा मिलों को सूत पर नियंत्रण से हुआ हानि-लाभ

2881. श्री चन्द्रिका प्रसाद : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सूत पर सरकारी नियंत्रण से निजी और सरकारी क्षेत्र की कपड़ा मिलों को, अलग-अलग कितना-कितना हानि लाभ हुआ है ;

(ख) क्या सूत पर नियंत्रण का निजी क्षेत्र की मिलों की अपेक्षा सरकारी क्षेत्र की मिलों पर अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है; और

(ग) क्या निजी क्षेत्र के मिल मालिक ऐसे मामलों में न्यायालय की शरण लेकर तत्काल होने वाले घाटे से बच जाते हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) और (ख) सरकार को कोई जानकारी नहीं है ।

(ग) अब तक गैर सरकारी क्षेत्र में 32 मिलों ने वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/15/73, सं०ई०आर०/16/73 तथा सी० ई० आर०/3/73 दिनांक 13 मार्च, 1973 के प्रवर्तन को रोकने वाले न्यायालय आदेश प्राप्त किए हैं ।

कपड़ा निगम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में खोली गई मोटे कपड़े की दुकानों की संख्या

2882. श्री चन्द्रिका प्रसाद : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 30 जन 1973 तक कपड़ा निगम ने ग्रामीण क्षेत्रों में मोटे कपड़े की कितनी दुकाने खोली हैं;

(ख) क्या कपड़ा आयुक्त ने ऐसी और दुकाने खोलने पर प्रतिबंध लगा दिया है ; और

(ग) यदि हां, तो क्यों ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) विभिन्न टैक्सटाइल निगमों द्वारा केवल ग्रामीण क्षेत्रों में मोटे कपड़ की खोली गई दुकानों के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध नहीं है । तथापि, कपड़े की बिक्री के लिए विभिन्न वस्त्र निगमों के अधीन देश में 216 दुकानें हैं ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

चाई की दरें तय करना

2883. श्री चन्द्रिका प्रसाद : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रुई के दाम नियंत्रित न होने के कारण कपड़े के दाम निरन्तर बढ़ते जा रहे है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार रुई की दरें तय करने का है?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) वस्त्र की कीमतों संबंधी समिति द्वारा किये गये अध्ययन के अनुसार मध्यम तथा मोटी श्रेणियों के सम्मिश्रित कपड़ की पहनने योग्य किस्मों की कीमतें नवम्बर, 1972 से जून, 1973 के बीच लगभग 15.5% बढ़ी है। इस वृद्धि का कारण विभिन्न उत्पादन साधनों, जिनमें रुई भी शामिल है, की बढ़ी हुई लागत है।

(ख) सदा की भांति, सरकार 1973-74 में रुई मौसम के लिए कपास की न्यूनतम समर्थन कीमत घोषित करेगी। अधिकतम कीमत की कोई प्रस्थापना नहीं है।

Allegedly Erratic Working of Instrument Landing System at Delhi Airport on 15th July, 1973

2884. SHRI P. M. MEHTA:
SHRI R. V. SWAMINATHAN:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether on 15th July, 1973 the Commander of a Sydney-bound Quantas Boeing averted what could have been a major air disaster when he made a last minute visual landing at Delhi Airport after the Air Traffic Control had cleared the aircraft to land with the aid of instrument landing system which was not working; and

(b) if so, the facts of the incident and reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) and (b). No, Sir. The commander of the Qantas aircraft reported after landing that the glide path was erratic; but a spokesman of the airline clarified that the aircraft was never in danger.

The last phase of a landing even under instrument conditions is invariably visual.

Seizure of Smuggled goods by Customs Authorities at Bulsar in the last week of April, 1973

2885 SHRI P. M. MEHTA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Customs Authorities posted at Bulsar have seized smuggled goods worth about Rs. 5 crores and impounded two Arab motor launches and a country craft in a joint operation conducted with the help of officials of Bombay Collectorate during the last week of April, 1973, and

(b) if so, the brief facts of the raid and the action taken against those held responsible?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. R. GANESH): (a) and (b) Officers of the Bombay Customs Preventive Collectorate and the staff of Bulsar Customs organised two joint patrol operations in the sea near Bombay coast on the nights of 26th April, 1973 and 3rd May, 1973 In these operations, two Arab mechanised vessels were intercepted and seized alongwith contraband goods of foreign origin found in them. The value of the goods and the vessels seized is about Rs 41 lakhs. In addition, the officers of the Bulsar Customs independently seized one country craft on the night of 1st May, 1973 and recovered from it contraband goods worth about Rs. 9 lakhs. In all, 25 persons were arrested in these cases and their prosecution is in progress.